Rajasthan Patrika

EDII

July 14, 2023
Pg.2

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस श्रेणी में गोल्ड मेडल

कुटीर व ग्रामीण उद्योग कमिश्नरेट के हस्तकला सेतु प्रोजेक्ट को स्कॉच अवार्ड

हस्तकला सेतु प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण लेने वाली महिलाएं।

ईडीआईआई ने 30 हजार कारीगर किए हैं प्रशिक्षित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. गुजरात सरकार के कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग कमिश्नरेट के हस्तकला सेतु प्रोजेक्ट को स्कॉच अवार्ड प्राप्त हुआ है। स्टेट ऑफ गवर्नेंस 2047 थीम पर आधारित 93वें स्कॉच अवार्ड में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस श्रेणी में इस प्रोजेक्ट को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है।कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग कमिश्नरेट की ओर से वर्ष सितंबर 2020 में 6 जिलों से शुरू की गई यह योजना आज पूरे गुजरात के सभी 33 जिलों में कार्यरत है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के जरिए इस प्रोजेक्ट के तहत हस्तकला और हेंडलूम कारीगरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 30365 कारीगरों को प्रशिक्षित किया है। 16670 कारीगरों को एडवांस स्किल ट्रेनिंग, जरूरत आधारित डोमेन ट्रेनिंग, प्रमोशन, मार्केटिंग के लिए जरूरी प्रशिक्षण व मदद दी गई है। जिसके बाद इन कारीगरों ने 28.85 करोड़ की आय प्राप्त की है। कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग कमिश्नर प्रविण सोलंकी ने कहा कि कारीगरों को कला वंशानुगत मिली है। आज की मांग के अनुरूप उनके इस हुनर को बेहतर बनाने और बाजार मुहैया कराने के लिए यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। जिसके अच्छे परिणाम दिख रहे हैं।ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के चलते ग्रामीण कारीगर नए, आकर्षक और बाजार की मांग आधारित उत्पाद बना रहे हैं। उन्हें ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया के जरिए बाजार में अपने उत्पाद बेचने के गुर सिखाए जा रहे हैं। इसका महत्व भी समझाया जा रहा है।